08

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम

1. कोल इंडिया लिमिटेड

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) निजी कोयला खानों को सरकार के स्वामित्व में लेते हुए एक संगठित राज्य स्वामित्व वाले कोयला खनन कार्पोरेट के रूप में नवम्बर, 1975 में अस्तित्व में आया। अपने शुरुआत के वर्ष में 79 मि.ट. के साधारण उत्पादन से सीआईएल आज विश्व में एक सबसे बड़ा कोयला उत्पादक बन गया है। सीआईएल भारत के आठ (8) राज्यों में फैले 83 खनन क्षेत्रों में प्रचालनरत है। कोल इंडिया लिमिटेड के पास 322 खानें हैं (1 अप्रैल, 2023 की स्थिति के अनुसार), जिनमें से 138 भूमिगत, 171 ओपनकास्ट और 13 मिश्रित खानें हैं।

सीआईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली दस भारतीय सहायक कंपनियां निम्नलिखित हैं:–

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल),

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल)

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल)

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल)

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल)

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल)

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग और डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल)

सीआईएल नवीकरणीय ऊर्जा लिमिटेड

सीआईएल सौर पीवी लिमिटेड

इसके अलावा, सीआईएल की मोजांबिक में कोल इंडिया अफ्रीकाना लिमिटाडा (सीआईएएल) नामक एक विदेशी सहायक कंपनी है।

असम में खानों अर्थात् नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स का प्रबंधन सीधे सीआईएल द्वारा किया जाता है।

कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की चार (4) सहायक कंपनियां हैं, एसईसीएल की दो (2) सहायक कंपनियां हैं और सीसीएल की एक (1) सहायक कंपनी है।

सीआईएल की निम्नलिखित संयुक्त उद्यम कंपनियां भी हैं:

i. सीआईएल, एनटीपीसी, आईओसीएल, एफसीआईएल तथा एचएफसीएल के बीच हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) जिसमें सीआईएल की सिंदरी, बरौनी और गोरखपुर में उर्वरक निर्माण (अमोनिया, यूरिया एवं नीम कोटेड यूरिया) के लिए 29.67% हिस्सेदारी है।

ii. आरसीएफ, सीआईएल, गेल तथा एफसीआईएल के बीच तलचर उर्वरक लिमिटेड (टीएफएल) जिसमें सीआईएल की तलचर ओडिशा में कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी सहित उर्वरक परियोजनाओं एवं रसायन निर्माण (यूरिया) कॉम्पलेक्स के लिए 31.85% हिस्सेदारी है।

iii. सीआईएल और एनटीपीसी के बीच सीआईएल एनटीपीसी ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड जिसमें सीआईएल की सौर विद्युत परियोजनाओं में 50% हिस्सेदारी है।

iv. सीआईएल तथा एनएलसी इंडिया लिमिटेड के बीच कोयला लिग्नाइट ऊर्जा विकास प्राइवेट लिमिटेड जिसमें सीआईएल की विद्युत परिसंपत्तियों के सृजन हेतु 50% हिस्सेदारी है।

v. इंटरनेशनल कोल वेंचर प्राइवेट लिमिटेड

2. सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल)

सिंगरैनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) तेलंगाना सरकार तथा भारत सरकार का एक संयुक्त उद्यम है जिसमें क्रमशः 51:49 के अनुपात में इक्विटी हिस्सेदारी है। एससीसीएल कुल अखिल भारत उत्पादन का लगभग 7.5% उत्पादन करती है।

एससीसीएल का तेलंगाना में कोठागुंडम, भद्राद्री जिले में पंजीकृत कार्यालय है। एससीसीएल वर्तमान में लगभग 42,003 श्रमशक्ति (31.12.2023 की स्थिति के अनुसार) के साथ तेलंगाना राज्य के छह जिलों में 18 ओपनकास्ट तथा 22 भूमिगत खानें प्रचालित कर रही है।

ओडिशा के अंगुल जिले में एससीसीएल को अगस्त 2015 में नैनी कोयला ब्लॉक (10 एमटीपीए की रेटेड क्षमता) आवंटित किया गया था, जिसके लिए सभी अनुमतियां/अनापत्तियां प्राप्त हो गई थीं। ओडिशा राज्य के वन विभाग द्वारा एससीसीएल को वन भूमि का हस्तांतरण प्रतीक्षारत है। इन खान से 2024–25 तक कोयला उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

कोयले के उत्पादन के अलावा, एससीसीएल ने ताप विद्युत उत्पादन, सौर विद्युत उत्पादन, कैप्टिव उपयोग के लिए विस्फोटक विनिर्माण, ओबी से प्रोसेस्ड रेत में भी विविधीकरण किया है।

वर्तमान में, 2X600 मे.वा. का सिंगरेनी थर्मल विद्युत स्टेशन तेलंगाना के मंचेरियल जिले में प्रचालनरत है। स्थापना के बाद से कुल 63,562 एमयू (सीओडी के बाद) बिजली का उत्पादन (दिसंबर 23 तक) किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान दिसंबर तक 6518 मिलियन एमयू बिजली का उत्पादन किया गया है। 1x800 मेगावाट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए निविदा प्रक्रिया का कार्य चल रहा है।

एससीसीएल ने 300 मे.वा. क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था। अब तक एससीसीएल में विभिन्न स्थानों पर 224 मे.वा. क्षमता के संयंत्र चालू किए जा चुके हैं। 15 मे.वा. के क्षमता वाले फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट सहित शेष 76 मे.वा. के लिए कार्य प्रगति पर है। 2023–24 (दिसम्बर तक) के दौरान 225.53 एमयू विद्युत का उत्पादन किया गया है। इसके अलावा, एससीसीएल तेलंगाना राज्य के रिजर्वायर्स के जल सतही क्षेत्रों पर 250 मे.वा. के एक अन्य फ्लोटिंग सोलर पीवी प्रोजेक्ट्स की स्थापना करने की संभावना की भी तलाश कर रहा है।

3. नेयवेली लिग्नाइट कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड

एनएलसी इंडिया लिमिटेड एक "नवरत्न" कंपनी है जिसका पंजीकृत कार्यालय चेन्नई में तथा कारपोरेट कार्यालय नेयवेली, तमिलनाडु में है जो कि ऊर्जा क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अग्रणी है। एनएलसीआईएल की कई परियोजनाएं हैं तथा मौजूदा खानों एवं विद्युत संयंत्रों के विस्तार/उसमें तेजी लाने, ग्रीन फील्ड खानों एवं विद्युत संयंत्रों की स्थापना, विद्युत परिसम्पत्तियों का अधिग्रहण, पूरे भारत में उपस्थिति दर्ज कराते हुए देश भर में पवन एवं सौर विद्युत संयंत्र स्थापित करने सहित तमिलनाडु, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखण्ड, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक अपना विस्तार कर रही है। एनएलसीआईएल लिग्नाइट और कोयले तथा थर्मल पॉवर एवं हरित ऊर्जा का उपयोग करते हुए ऊर्जा क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी है। एनएलसी इंडिया लिमिटेड के प्रचालन का ब्यौरा नीचे दिया गया हैः–

लिग्नाइट खानें:

- नेयवेली, तमिलनाडु में 28.0 मि.ट. प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की कुल क्षमता की तीन ओपनकास्ट लिग्नाइट खानें तथा बरसिंगसर, राजस्थान में 2.10 एमटीपीए की क्षमता की एक ओपनकास्ट लिग्नाइट खान। लिग्नाइट क्षेत्र में वर्तमान स्थापित क्षमता 30.1 एमटीपीए है।

कोयला खानें:

- 20.00 एमटीपीए तालाबीरा II और III ओसी खान प्रचालन एमडीओ माध्यम के अंतर्गत 11 दिसम्बर, 2019 को प्रारंभ हो गया था। तालाबीरा खानों से कोयला उत्पादन 26 अप्रैल, 2020 से प्रारंभ हुआ था। तालाबीरा खानों से पूर्ण क्षमता में उत्पादन जनवरी, 2027 तक होने की आशा है।

लिग्नाइट आधारित थर्मल पावर स्टेशन:

- नेयवेली, तमिलनाडु में 3390 मेगावाट (मे.वा.) की कुल स्थापित क्षमता सहित चार लिग्नाइट आधारित तापीय विद्युत स्टेशन तथा बरसिंगसर, राजस्थान में 250 मे.वा. की कुल स्थापित क्षमता सहित एक तापीय विद्युत स्टेशन। लिग्नाइट आधारित कुल स्थापित थर्मल विद्युत उत्पादन क्षमता 3640 मे.वा. है।

नवीकरणीय ऊर्जा:

- एनएलसीआईएल ने कझनीर कुलम, तिरुनेलवेली जिला, तमिलनाडु में 51 मे.वा. की स्थापित क्षमता सहित अपने पवन ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन के क्षेत्र में कदम बढ़ाया है। एनएलसीआईएल ने सौर–संयंत्र स्थापित किए हैं अर्थात् नेयवेली में 150 मे.वा. (130 मे.वा.+10 मे.वा.) का सौर–ऊर्जा संयंत्र, नेयवेली में 1.06 मे.वा. क्षमता की रूफटॉप सौर विद्युत संयंत्र, तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में 500 मे.वा. और 709 मे.वा. तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 20 मे.वा. के सौर विद्युत संयंत्र स्थापित किए हैं। इसके साथ ही एनएलसीआईएल की कुल आरई स्थापित क्षमता 1431.06 मे.वा. है।

कोयला आधारित ताप विद्युत स्टेशन:

- एनएलसी इंडिया लिमिटेड तथा टीएएनजीईडीसीओ के एक संयुक्त उद्यम एनएलसी तमिलनाडु पावर लि. (एनटीपीएल), (89:11 के अनुपात में इक्विटी हिस्सेदारी) के माध्यम से तूतीकोरिन, तमिलनाडु में प्रत्येक 500 मे.वा. की क्षमता की दो (1000 मे.वा.) इकाइयों सहित कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र प्रचालन में है।
- नवंबर, 2023 की स्थिति के अनुसार एनएलसी इंडिया लि. तथा इसकी सहायक कंपनियों की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 6071.06 मे.वा. थी।
- नेयवेली, तमिलनाडु में पांच लिग्नाइट थर्मल पावर स्टेशन और तीन खानें तथा बरसिंगसर, राजस्थान में लिग्नाइट खानें एवं लिग्नाइट आधारित थर्मल पावर स्टेशन आईएसओ 14001 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली), आईएसओ 9001 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली) और ओएचएसएएस 18001 (व्यावसायिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) प्रमाणित हैं। एनएलसी इंडिया लिमिटेड की उत्पादन वृद्धि बनी हुई है और भारत के सामाजिक तथा आर्थिक विकास में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।